अभिवृत्ति और अभिरुचि

अभिवृत्ति और अभिरुचि

Drishti IAS

अभिवृत्ति

मनोवृत्ति किसी विशेष स्थिति, व्यक्ति, बात या किसी मुद्दे पर मनोवैज्ञानिक प्रतिक्रिया को संदर्भित करती है।

वर्गीकरण:

- **व्यक्त या प्रत्यक्ष** (जानबूझकर बनाया गया)
- **और अंतर्निहित या अप्रत्यक्ष** (अवचेतन व्यवहार)

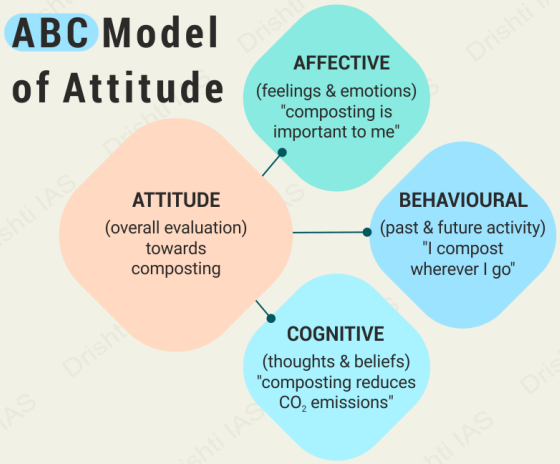

अभिवृत्ति परिवर्तन:

- **क्लासिकल/ पावलोवियन कंडीशनिंग:**
  - व्यक्ति जब बार-बार किसी वस्तु या घटना के बारे में सकारात्मक अथवा नकारात्मक दृष्टिकोण या विचार सुनता है अथवा देखता है तो वह उसी के अनुसार अनुकूल हो जाता है

- **साधनात्मक अनुबंधन:**
  - नकारात्मक व्यवहार को दंडित करने के तथा सकारात्मक व्यवहार को पुरस्कृत करना
- **अवलोकन/ स्थानापन्न शिक्षण:**
  - सामाजिक परिवेश से सीखना

अभिरुचि

एक प्राकृतिक, जन्मजात क्षमता जो किसी व्यक्ति को अधिक आसानी से कुछ सीखने/करने में सक्षम बनाती है

अभिरुचि बनाम रुचि/कौशल/बुद्धि		
अभिरुचि बनाम	**अर्थ**	**अभिरुचि से किस प्रकार भिन्न है**
रुचि	किसी कार्य के प्रति आकर्षण	भले ही किसी में रुचि हो लेकिन क्षमता (अभिरुचि) न हो तो व्यक्ति सफल नहीं हो सकता
कौशल	किसी दिये गए कार्य को आसानी और सटीकता से करने का ज्ञान	कौशल अर्जित किया जा सकता है; अभिरुचि जन्मजात और अद्वितीय होती है
बुद्धिमत्ता	सीखने, तर्क करने, समझने आदि की क्षमता।	यह कौशल लागू करने की क्षमता है; अभिरुचि किसी कौशल में महारत हासिल करने में मदद करती है

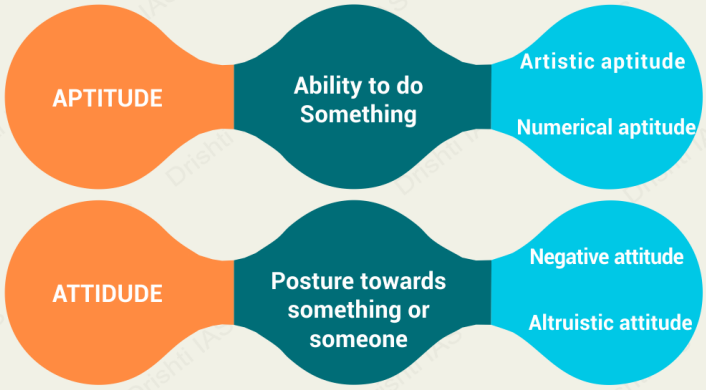

- जहाँ अभिरुचि का संबंध क्षमता से है, वहीं अभिवृत्ति का संबंध चरित्र से है
- **अभिवृत्ति के बिना अभिरुचि अंधी है; अभिरुचि के बिना अभिवृत्ति लंगड़ी है**

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/attitude-and-interest